विदर्भ को बांस से मिल सकता है रोजगार

कागज के उत्पादन में उपयोग में आने वाला बांस आज संसार में फर्निचर से लेकर कपड़ा उत्पादन के लिए उपयोग में लाया जा रहा है. भविष्य में बांस से शर्ट, टी शर्ट, ब्लैंकेट, चादर भी बनने वाली है. इससे विदर्भ के बांस व्यवसाय को बड़ा रोजगार मिल सकता है. विदर्भ का अर्थशास्त्र बदल सकता है. यह विश्वास केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने व्यक्त किया.

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जताया भरोसा

नागपुर, राप्र संवादक

उन्होंने बताया कि चीन में बांस से 50 लाख लोगों को रोजगार मिला है. अपने यहां खेत की मेढ़ पर, सड़क किनारे भिमा बांस लगाया गया तो विदर्भ के किसानों को आय का नया स्रोत उपलब्ध होगा. करीब 5 लाख लोगों को रोजगार मुहैया हो सकता है. इससे विदर्भ विश्व के नक्शे पर उभरेगा. बांस खेत की मेढ़ पर लगाया तो तूफान व हवा तथा वन्यजीवों से खेत की रक्षा होगी. वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने बांस को टीपी मुक्त किया है. इससे बांस कहीं भी ले जाया जा सकता है. एक एकड़ में बांस लगाया तो तीन वर्ष में 200 टन बांस का उत्पादन मिलेगा. यह बांस 2500 रु. प्रति टन के हिसाब से बेचा जा सकता है. भविष्य में बांस वेकोलि और मैंगनीज ओर इंडिया की खाली जगह पर भी लगाया जा सकता है.

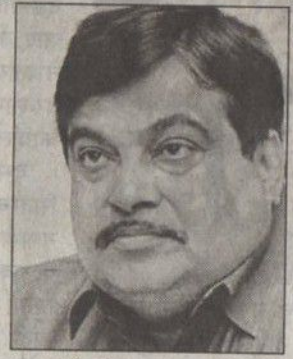

गडकरी शनिवार को एग्रोविजन कृषि प्रदर्शनी के आयोजन की जानकारी देते समय संवाददता सम्मेलन में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि 20 लाख लीटर दूध हम जिस दिन इकट्ठा करेंगे, उस दिन विदर्भ के किसान सुखी होंगे. उन्होंने बताया कि एक माह में इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम होने वाला है. अजनी में जेल की जगह पर पैसेंजर हब बनेगा.

एग्रोविजन कृषि प्रदर्शनी 10 नवंबर से

नागपुर। विदर्भ के किसानों के लिए संपन्नता का महामार्ग बनी मध्य भारत सबसे बड़ी कृषि प्रदर्शनी एग्रोविजन का आयोजन 10 से 13 नवंबर के बीच रेशमबाग मैदान पर किया जा रहा है. इस आयोजन के मुख्य प्रवर्तक केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी. इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शरद बोबड़े, राज्य के कृषि मंत्री भाऊसाहब फुंडकर, म.प्र. के कृषिमंत्री गिरिजाशंकर, महिंद्रा कंपनी के आनंद महिंद्रा व रिलायन्स के निखिल मिसवानी की प्रमुख उपस्थिति में होगा.

गडकरी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की अग्रणी 400 से अधिक कृषि कंपनियां, संशोधन संस्थाएं, नवउद्योजक, किसान, अनुसंधानकर्ता, वित्त संस्था, कृषि विद्यापीठ, कृषि से संबंधित विभाग, सेवा देने वाली संस्थाएं आदि शामिल होंगी. हर वर्ष की तरह इस बार भी कार्यशालाओं के माध्यम से किसानों को प्रगति की नई राह दिखाई जाएगी. इस एग्रोविजन में एक अलग पशुधन कक्ष बनाया गया है. इसमें भेड़, बकरियां, गाय, भैंसें, मुर्गियां आदि विभिन्न नस्ल के पशुधन देखने का, इसका अभ्यास करने का अवसर प्राप्त होगा. कार्यशाला में नई फसलें, जलप्रबंधन, दुग्ध व्यवसाय, मुर्गीपालन, मत्स्यपालन, मधुमक्खीपालन आदि कृषिपूरक व्यवसाय जैसे विषयों का समावेश है. इसके अलावा 'बांस की खेती में अवसर' विषय पर सेमिनार होगा. कृषि क्षेत्र के नये प्रयोगों के लिए 1 लाख तक प्रोत्साहनात्मक सहायता कृषि क्षेत्र के विद्यार्थियों तथा किसानों को उनके खेती में नए अनुसंधान व नए प्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए दी जावेगी. संवाददाता सम्मेलन में पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, गिरीश गांधी, पूर्व सांसद दत्ता मेघे, विधायक डॉ. अनिल बोंडे, रवि बोरटकर, अशोक मानकर आदि उपस्थित थे.